

ई लर्निंग द्वारा विभिन्न शिक्षा रूपी गुणों का अध्ययन

पवनेश कुमार, शिक्षा विभाग, सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी बड़ी, झुंझुनू (राजस्थान)

सारांश

वर्तमान डिजिटल युग में ई-लर्निंग शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रभावशाली एवं उपयोगी माध्यम के रूप में उभरकर सामने आया है। इंटरनेट, डिजिटल प्लेटफॉर्म, स्मार्टफोन, कंप्यूटर तथा मल्टीमीडिया संसाधनों के माध्यम से ई-लर्निंग ने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक लचीला, सुलभ और विद्यार्थी-केंद्रित बनाया है। प्रस्तुत शोध-पत्र में ई-लर्निंग के माध्यम से विद्यार्थियों में विकसित होने वाले विभिन्न शैक्षिक गुणों का अध्ययन किया गया है। अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य यह समझना है कि ई-लर्निंग विद्यार्थियों की स्व-अध्ययन क्षमता, आत्मनिर्भरता, रचनात्मकता, समस्या-समाधान कौशल, संचार क्षमता, समय-प्रबंधन तथा डिजिटल दक्षता को किस प्रकार प्रभावित करता है। ई-लर्निंग विद्यार्थियों को अपनी गति एवं सुविधा के अनुसार अध्ययन करने का अवसर प्रदान करता है तथा विभिन्न प्रकार की डिजिटल अध्ययन-सामग्री तक उनकी पहुँच सुनिश्चित करता है। इसके अतिरिक्त, ऑनलाइन चर्चा, क्विज, वीडियो व्याख्यान एवं इंटरैक्टिव गतिविधियाँ विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता को बढ़ावा देती हैं। हालांकि, तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता, इंटरनेट कनेक्टिविटी, डिजिटल साक्षरता, एकाग्रता की कमी तथा शिक्षक-विद्यार्थी के प्रत्यक्ष संवाद का अभाव जैसी चुनौतियाँ भी इसके प्रभावी उपयोग को प्रभावित कर सकती हैं। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि उचित मार्गदर्शन एवं प्रभावी डिजिटल संसाधनों के उपयोग द्वारा ई-लर्निंग विद्यार्थियों के शैक्षिक एवं व्यक्तिगत विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। अतः आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में ई-लर्निंग को पारंपरिक शिक्षण के पूरक के रूप में प्रभावी ढंग से अपनाया जा सकता है।

मुख्य शब्द: ई-लर्निंग, डिजिटल शिक्षा, शिक्षण-अधिगम, स्व-अध्ययन, डिजिटल दक्षता, रचनात्मकता, समस्या-समाधान, विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षा